नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों की नई उड़ान

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मेलबर्न में हुए 18 महत्वपूर्ण समझौते केवल दो देशों के बीच सहयोग का विस्तार नहीं हैं, बल्कि बदलती वैश्विक राजनीति में एक मजबूत और भरोसेमंद रणनीतिक साझेदारी की नई शुरुआत भी हैं. असैन्य परमाणु ऊर्जा, दुर्लभ खनिज, रक्षा, समुद्री सुरक्षा, साइबर तकनीक और व्यापार जैसे क्षेत्रों में बढ़ता सहयोग इस बात का संकेत है कि दोनों लोकतांत्रिक देश अब साझा हितों और साझा चुनौतियों के समाधान के लिए दीर्घकालिक दृष्टि के साथ आगे बढ़ रहे हैं.

इन समझौतों में सबसे अधिक महत्व असैन्य परमाणु ऊर्जा सहयोग का है. ऑस्ट्रेलिया से यूरेनियम की आपूर्ति का मार्ग प्रशस्त होने से भारत की ऊर्जा सुरक्षा को नई मजबूती मिलेगी. तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए केवल कोयले और पारंपरिक स्रोतों पर निर्भर रहना संभव नहीं है. स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में परमाणु ऊर्जा एक भरोसेमंद विकल्प बनकर उभरी है. वर्ष 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन के भारत के लक्ष्य को हासिल करने में यह सहयोग महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है.दुर्लभ खनिजों के क्षेत्र में सहमति भविष्य की वैश्विक अर्थव्यवस्था की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है. इलेक्ट्रिक वाहन, सेमीकंडक्टर, बैटरी, रक्षा उपकरण और आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग इन खनिजों पर निर्भर हैं. अभी इनकी वैश्विक आपूर्ति कुछ देशों तक सीमित है, जिससे रणनीतिक जोखिम पैदा होते हैं. भारत और ऑस्ट्रेलिया का प्रस्तावित महत्वपूर्ण खनिज कॉरिडोर आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित बनाने के साथ भारत की विनिर्माण क्षमता और आत्मनिर्भरता को भी नई गति देगा.

रक्षा सहयोग का विस्तार भी उतना ही महत्वपूर्ण है. सैन्य उपकरणों के संयुक्त विकास, जहाज निर्माण एवं रखरखाव, सेनाओं के बीच सूचनाओं के आदान-प्रदान और समुद्री सुरक्षा में सहयोग से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में दोनों देशों की भूमिका और प्रभाव बढ़ेगा. ऐसे समय में जब इस क्षेत्र में सामरिक प्रतिस्पर्धा तेज हो रही है, भारत और ऑस्ट्रेलिया का निकट सहयोग क्षेत्रीय स्थिरता और नियम-आधारित व्यवस्था को मजबूत करने वाला कदम है. साइबर सुरक्षा, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी, शिक्षा और नवाचार के क्षेत्र में बढ़ती साझेदारी भी भविष्य की जरूरतों के अनुरूप है. व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते और निवेश संरक्षण संधि को शीघ्र अंतिम रूप देने पर सहमति से व्यापार और निवेश के नए अवसर खुलेंगे. इससे दोनों देशों के उद्योगों, स्टार्टअप और शोध संस्थानों को भी लाभ मिलेगा.

यह भी उल्लेखनीय है कि भारत की विदेश नीति अब केवल कूटनीतिक संवाद तक सीमित नहीं रह गई है. वह ऊर्जा सुरक्षा, प्रौद्योगिकी, रक्षा उत्पादन, आपूर्ति श्रृंखला और आर्थिक साझेदारी जैसे क्षेत्रों में ठोस परिणाम देने वाली नीति के रूप में सामने आ रही है. ऑस्ट्रेलिया के साथ बढ़ता सहयोग इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा है.

हालांकि किसी भी समझौते का वास्तविक मूल्य उसके प्रभावी क्रियान्वयन से तय होता है. यदि दोनों देश घोषित योजनाओं को समयबद्ध तरीके से लागू करते हैं, तो यह साझेदारी केवल द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र की स्थिरता, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती और स्वच्छ ऊर्जा के भविष्य में भी महत्वपूर्ण योगदान देगी. भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बढ़ता विश्वास यह प्रमाणित करता है कि समान लोकतांत्रिक मूल्य, पारस्परिक सम्मान और साझा रणनीतिक हित आज की वैश्विक व्यवस्था में सबसे मजबूत साझेदारियां गढ़ने की क्षमता रखते हैं.

नेतृत्व निर्माण की पाठशाला हैं छात्र संघ चुनाव

सचिन दवे

महाविद्यालयों व विश्वविद्यालययों में छात्रसंघ चुनावों की प्रासंगिकता और उनका महत्व आज हमारे समाज और लोकतंत्र के लिए गंभीर चिंतन और सार्वजनिक चर्चा का विषय है, यह केवल किसी राजनीतिक दल का मामला नहीं है, बल्कि युवाओं की नेतृत्व क्षमता, लोकतांत्रिक समझ और भविष्य की जिम्मेदारियों से जुड़ा है. लोकतंत्र केवल संसद या सचिवालय तक सीमित नहीं है; इसकी असली जड़ें वहीं हैं, जहाँ युवा पहली बार अपने विचार व्यक्त करना सीखता है, किसी विषय से सहमति अथवा असहमति दिखाता है और अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करता है. महाविद्यालय इस प्रक्रिया का पहला और महत्वपूर्ण मंच हैं.

> उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश में ही देख जाए तो पिछले दो दशकों में जनप्रिय रहे मुख्यमंत्री चाहे वो श्री शिवराजसिंह चौहान हो या डॉ. मोहन यादव हों दोनों ही लोकतंत्र की नर्सरी के प्रभावी छात्रनेता रहे हैं, वहां हुआ नेतृत्व क्षमता का विकास कहीं न कहीं आज भी उनके व्यक्तित्व में साफ झलकता है. इसके साथ ही प्रदेश के कई मंत्री, विधायक, सांसद महाविद्यालय या विश्वविद्यालय की छात्र राजनीति से ही उभरकर सामने आये हैं, जिससे सशक्त प्रदेश को सशक्त नेतृत्व मिला है जो प्रदेश व देश की राजनीति में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं.

विगत कई वर्षों से मध्यप्रदेश के महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव स्थगित चल रहे हैं. इसका सीधा असर छात्रों की समाज व राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी और नेतृत्व विकास पर पड़ा है. छात्रसंघ चुनाव केवल वोट देने की प्रक्रिया नहीं हैं; यह युवाओं के लिए नेतृत्व सीखने, बहस करने और जवाबदेही समझने का पहला अवसर हैं. महाविद्यालय में ये चुनाव छात्रों को संगठनात्मक कौशल और जनता के सवालों का जवाब देने जैसी जिम्मेदारियाँ सिखाते हैं. यदि ये अनुभव न मिले, तो युवा निष्क्रिय दर्शक बन जाते हैं जिससे लोकतंत्र की जड़ें कमजोर होती हैं. वर्तमान समय में एक विरोधाभास भी स्पष्ट रूप से स्थापित कर दिया गया है कि, प्रदेश का युवा पंचायत स्तर से लगाकर विधायक और सांसद चुन सकता है, लेकिन अपने महाविद्यालय या विश्वविद्यालय का अपना प्रतिनिधि नहीं.

यह स्पष्ट संकेत देता है कि शैक्षणिक क्षेत्रों में लोकतंत्र का अभ्यास व उपयोग राजनैतिक सुविधा अनुसार किया जा रहा है, जबकि इसे हर स्तर पर समान रूप से सुनिश्चित होना चाहिए. हालांकि यह विरोधाभास स्पष्ट है, पर चुनाव स्थगित रहने के पीछे प्रशासनिक, कानूनी या राजनीतिक कारणों की चर्चा नहीं हुई. जिससे इस समस्या का स्पष्ट समाधान हो सकता हैं. नेतृत्व के संदर्भ में आज एक खतरनाक प्रवृत्ति दिख रही है—नेतृत्व को जन्मसिद्ध या वंशानुगत अधिकार माना जा रहा है, जैसा कि देश में कई जगह चल रही परिवारवाद की राजनीति में देखा जा रहा है. यह सोच लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के खिलाफ है. सच्चा नेता संघर्ष, विचार और जवाबदेही से बनता है, न कि किसी राजनीतिक परिवार का सदस्य होने से. छात्रसंघ चुनाव इस मिथक को तोड़ते हैं और सुनिश्चित करते हैं कि कॉलेज और छात्र राजनीति से ही संवेदनशील और जनता के प्रति जिम्मेदार नेता उभरें. महाविद्यालय व विश्वविद्यालय परिसर युवा नेतृत्व का सबसे उपयुक्त प्रशिक्षण स्थल हैं. यह लोकतांत्रिक अभ्यास की प्रयोगशाला हैं.

छात्रसंघ चुनाव छात्रों को संवाद, बहस, असहमति का सम्मान और जिम्मेदारी का अनुभव कराते हैं. यह शिक्षा के न केवल सैद्धांतिक पक्ष से बल्कि आगे बढ़कर व्यावहारिक नेतृत्व प्रशिक्षण पर जोर देता है. जहाँ समय पर छात्रसंघ चुनाव होते हैं, वहाँ छात्र नेतृत्व और सामाजिक सक्रियता अधिक मजबूत होती है. यदि महाविद्यालय में लोकतंत्र का अभ्यास बंद रहे, तो भविष्य के नेता जनता से कटे, सवालों से डरने वाले और सत्ता केंद्र से जुड़े रहेंगे. वर्तमान में परिसरों में लोकतंत्र की प्रयोगशाला बंद होने के कारण छात्रावास, फीस और परीक्षा प्रणाली जैसी समस्याओं पर कोई जवाबदेही नहीं होती. छात्रों की आवाज़ दबती है और युवा केवल डिग्री लेने तक सीमित रह जाते हैं. इसका असर भविष्य के राजनीतिक और सामाजिक नेतृत्व पर भी पड़ता है. छात्रों को अपने अधिकारों और जिम्मेदारियों का अनुभव होना जरूरी है. इसलिए राज्य सरकार और विश्वविद्यालय प्रशासन से लगातार अपेक्षा की जाती है कि वे निष्पक्ष और नियमित छात्रसंघ चुनाव कराएँ. जिससे विश्वविद्यालय केवल डिग्री बाँटने का केंद्र नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक नागरिक तैयार करने के केंद्र के रूप में स्थापित हो सके.

आज के समय में युवाओं को अपने लोकतान्त्रिक अधिकारों के लिए सक्रिय और रचनात्मक आंदोलन के माध्यम से अपनी आवाज बुलंद करना चाहिए, जो केवल सोशल मीडिया तक सीमित न होकर, संघर्ष-संवाद व समाधान पर केंद्रित हो. छात्रसंघ चुनाव केवल औपचारिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतंत्र की पहली पाठशाला हैं. यह उन्हें नेतृत्व, जवाबदेही, संवाद और बहस का अनुभव देते हैं और जनता से जोड़ते हैं.

(लेखक जानेमाने शिक्षाविद एवं सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन के पूर्व कार्य परिषद सदस्य हैं.)

मध्य क्षेत्र की डायरी

थमने का नाम ले रही हैं साइबर ठगी और लूट की घटनाएं

दिलीप झा

अजब-गजब मध्यप्रदेश में कब क्या हो जाए, कोई नहीं कह सकता क्योंकि पूरे प्रदेश में नित्य ऐसी घटनाएं सिलसिलेवार तरीके से हो रही हैं. लोगों ने यह कहना शुरू कर दिया है कि इस प्रदेश की कानून व्यवस्था को बनाए रखने में प्रशासन पूरी तरह से असफल है. लूट और साइबर ठगी के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं. साइबर ठग हाईटेक होते जा रहे हैं और पुलिस इन पर पूरी तरह से शिकंजा कसने में विफल है. गरीब , किसान , महिलाओं, बैंक के रिटायर्ड अधिकारी, उद्योगपति सबको निशाना बनाया जा रहा है. साइबर सुरक्षा को लेकर ठोस कार्रवाई नहीं हो रही है. लोगों की गाढ़ी कमाई को एक झटके में साइबर ठग उड़ा देते हैं. सबसे हैरानी की बात यह है कि मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है, जहां भारी संख्या में साइबर ठगी हो रही है लेकिन हमारी सरकार इस तरह की घटनाओं को रोक नहीं पा रही है. सूत्र बताते हैं कि इस तरह की ठगी बैंकों के अधिकारियों की मिलीभगत से होती है. बैंक अगर ठान ले तो इस तरह की लूट रोकी जा सकती है लेकिन विडंबना है कि बैंक के अधिकारी ने अपनी तरफ से इसे रोकने के लिए कोई पहल नहीं की है.

आठ जुलाई को गुना शहर में लूट की बड़ी घटना सामने आई. बाइक सवार तीन नकाबपोश बदमाशों ने एक धनिया व्यापारी की आंखों में मिर्च या कैमिकल स्प्रे झोंककर दिनदहाड़े 17 लाख रुपए से भरा बैग लूट लिया और मौके से फरार हो गए. इस बड़ी वारदात से पूरे शहर में सनसनी फैल गई और पुलिस महकमे में हड़कंप मचा हुआ है. इस तरह की घटनाएं जब सामने आती हैं तो जाहिर है पुलिस प्रशासन के कामकाज पर सवाल उठाए जाएंगे.

एमडी ड्रग्स की चपेट में मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश में लगातार एमडी ड्रग्स की खेप पकड़ी जा रही है. इसका मतलब है कि वर्षों से इसकी सप्लाई हो रही है. नशे का अवैध कारोबार प्रदेश में चरम पर है. यह दुर्भाग्य है कि युवाओं को इसमें झोंक दिया गया है. हालांकि सरकार ने नशा रोकने के लिए 15 जुलाई से 30 जुलाई तक नशे के खिलाफ पूरे प्रदेश में अभियान चलाने का फैसला किया है. देखने वाली बात होगी कि इसमें सरकार कितना सफल होती है, लेकिन यह भी सच है कि इस अभियान में जनभागीदारी भी उतना ही आवश्यक है. नशे की खेप पकड़ने वाली पुलिस की टीम को सम्मानित करना चाहिए. इससे सरकार को नशे के खिलाफ बड़ी सफलता मिलेगी.

हजारों एकड़ सरकारी जमीन पर अतिक्रमण

अन्य राज्यों की तरह मध्यप्रदेश में भी सरकारी जमीन पर भयंकर अतिक्रमण है. हजारों एकड़ जमीन पर लोग कब्जा जमा कर बैठे हैं, लेकिन राज्य सरकार अतिक्रमणकारियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करने से बचती रही है. गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने अतिक्रमण हटाने को लेकर देश के सभी राज्यों से रिपोर्ट मांगी है. सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि अधिकारियों पर कार्रवाई सुनिश्चित करने का समय आ गया है.

पंजाब कांग्रेस में फूट का फायदा किसे मिलेगा?

पंजाब कांग्रेस में फूट को लेकर पार्टी नेतृत्व चिंतित है. कुछ माह बाद होने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की इस कमजोरी का लाभ बीजेपी व अकाली दल को मिल सकता है. पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी चाहते हैं कि उन्हें पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष बनाया जाए और चुनाव उनके नेतृत्व में लड़ा जाए. राज्य के अधिकांश कांग्रेस नेताओं का उन्हें समर्थन भी है. कांग्रेस हाईकमांड ने अजय माकन, मीनाक्षी नटराजन व भजनलाल यादव की त्रिसदस्यीय समिति को पंजाब कांग्रेस का विवाद हल करने के लिए भेजा. इस समिति ने अमरिंदर सिंह राजा वडिंग को हटाकर चन्नी को प्रदेश अध्यक्ष बनाने की सिफारिश की, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व ने इसे ठुकराकर राजा वडिंग को ही कायम रखने का निर्णय लिया. चन्नी को प्रदेश प्रचार समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया. इससे विवाद बढ़ गया. चन्नी के समर्थकों ने मांग की कि पार्टी नेतृत्व चन्नी को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करे. ऐसे में पार्टी नेतृत्व ने डैमेज कंट्रोल करने के लिए भूपेश बघेल को पंजाब भेजा. वहां चन्नी गुट ने उनसे चर्चा न करते हुए कहा कि वह सीधे पार्टी नेतृत्व से ही बात करेंगे. पंजाब कांग्रेस में लंबे समय से गुटबाजी चली आ रही है. 2022 में कैप्टन अमरिंदरसिंह और नवजोत सिंह सिद्धू के बीच खटपट थी. 2017 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस जीती थी और कैप्टन अमरिंदर सिंह मुख्यमंत्री बने थे. इस चुनाव के पहले ही सिद्धू बीजेपी छोड़कर कांग्रेस में आए थे. तब कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी हरीश रावत ने कहा था कि सिद्धू पंजाब में कांग्रेस का भविष्य है. कांग्रेस नेतृत्व को बड़बोले सिद्धू से काफी उम्मीदें थीं. कैप्टन अमरिंदर सिंह ने अपनी सरकार में सिद्धू को मंत्री बनाया लेकिन दोनों की आपस में पटी नहीं और संघर्ष शुरू हो गया. ऐसी हालत में कांग्रेस ने अनुभवी नेता अमरिंदर सिंह को हटाकर चरणजीतसिंह चन्नी को मुख्यमंत्री और सुनील जाखड़ को प्रदेशाध्यक्ष बनाया था. महत्वाकांक्षी सिद्धू की मुख्यमंत्री पद पर निगाह थी, इसलिए उनकी चन्नी से भी नहीं पटी. कैप्टन अमरिंदरसिंह ने कांग्रेस छोड़कर अलग पार्टी बनाई और फिर बीजेपी में शामिल हो गए. सिद्धू ने भी कांग्रेस छोड़ दी और राजनीति से दूरी बना ली. सुनील जाखड़ भी कांग्रेस छोड़कर बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बन गए.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

ट्रंप करते व्यर्थ की बड़बड़ दिमाग कमजोर, हुए भुलक्कड़

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप का दिमाग बुरी तरह गड़बड़ा गया है. वह विश्व के अन्य नेताओं और देशों के नाम भूलने लगे हैं. यह अत्यंत विस्मयजनक और हास्यास्पद है. पता नहीं कैसे अमेरिकी नागरिक ऐसे भुलक्कड़ और एब्सेंट माइंडेड प्रेसिडेंट को झेल रहे हैं!'

हमने कहा, 'यह बात सही है कि दूसरी बार राष्ट्रपति बनने वाले ट्रंप अमेरिका के सबसे बुजुर्ग प्रेसिडेंट हैं. बढ़ती उम्र का असर होने से दिमाग का पुर्जा ढीला हो जाता है. ट्रंप ने उनसे पहले राष्ट्रपति रह चुके जो बाइडेन की आलोचना करते हुए कहा था कि वह मानसिक रूप से खोखले हो चुके हैं और शारीरिक तौर पर बुरी तरह थक चुके हैं. अब खुद ट्रंप का यह हाल है कि वह मीटिंग के दौरान कुर्सी पर बैठे-बैठे सो जाते हैं और सार्वजनिक कार्यक्रमों में लिखित भाषण को छोड़कर बेतुकी या अनर्गल बातें करने लगते हैं.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, नाटो के शिखर सम्मेलन में ट्रंप ने अपनी सनक में यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की को

ब्लादिमीर पुतिन कह दिया. उन्होंने कहा कि हमारे पास विश्व का सबसे सुंदर विमानवाही पोत अब्राहम लिंकन है. कुछ माह पहले हमने उससे इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ जापान पर 111 मिसाइल दागे थे. ट्रंप ने ईरान की बजाय जापान का नाम ले लिया, जिसका इस्लाम से दूर-दूर तक कोई वास्ता नहीं है. ट्रंप बार-बार दावा करते हैं कि उनके पिता का जन्म जर्मनी में हुआ था जबकि सरकारी रिकार्ड के मुताबिक वह अमेरिका में ही पैदा हुए थे. भारत-पाक युद्ध रुकवाने का काल्पनिक श्रेय वह दर्जनों बार ले चुके हैं.'

हमने कहा, 'ट्रंप की आदत बकवास करने की है. उन्होंने एक अपमानजनक मीम शेयर करते हुए दिखाया कि इटली की प्रधानमंत्री जार्जिया मेलोनी उनकी ओर आकर्षित हो रही हैं तथा मेलोनी को संयम रखने की आवश्यकता है. उन्होंने यह भी दावा किया कि मेलोनी उनके साथ फोटो खिंचवाने के लिए गिड़गिड़ा रही थीं इसलिए मुझे उन पर तरस आ गया.'

पड़ोसी ने कहा, 'अमेरिकावासियों को अभी इस सनकी राष्ट्रपति को 2028 तक झेलना है. तब चुनाव में नया प्रेसिडेंट चुना जाएगा और सिरफिरे ट्रंप से छुटकारा मिलेगा.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12315

- डॉ. सागर खादीवाला

1		2		3	■	4	5
	■		■	6			
7	8	■	9		■	10	
■		■	11				■
12		13	■		■		14
	■	15	16	■	17		
18	19			■		■	
20			■	21			

बाएं से दाएं
1. एक पीली लता जिसके जड़ और पत्ते नहीं होते, आकाश बेल 4. नोक 6. दलनायक, सिख पंथ में एक ओहदा 7. प्रत्येक पक्ष की तीसरी तिथि 9. चार वेदों में से तीसरा वेद 10. रामचंद्रजी के दो पुत्रों में से एक 11. एक राय, जिसकी राय दूसरे से मिलती है 12. माला का दाना 15. बहुत बड़ा 17. मानसिक आघात 18. सिपाहियों या पहरेदारों आदि का प्रधान 20. सिंचाई या यातायात के विचार से किसी नदी या जलाशय से निकाला गया जलमार्ग 21. वेतन

ऊपर से नीचे
1. उज्जैन नगर का प्राचीन नाम 2. कामदेव की पत्नी 3. एक शहंशाह द्वारा अपनी बेगम की याद में बनवाई गई बेमिसाल स्मारक 4. न्यायालय 5. नि:शब्द, मौन, चुप (सं.) 8. जलने की पीड़ा या दाह, ईर्ष्या के कारण होने वाला मानसिक कष्ट 9. पति या पत्नी की माता 12. साहूकार, बड़ा आदमी 13. जिस पर सलमे सितारे का काम हो, कारिंदा 14. भारी आयोजन, धूमधाम से होने वाला कोई बड़ा उत्सव 16. पराजय, माला 17. एक जैसा, बराबर 19. मास, महीना

Solution 12314

वि	स्फो	ट	क	■	अ	■	म
च	■	क	■	च	तु	र्था	श
र	प	ट	■	ह	ल	■	हू
ण	■	का	बि	ल	■	ब	र
■	सो	ना	■	प	छा	ड़	■
सु	ख	■	प	ह	ल	वा	न
ब	ना	ना	■	ल	■	न	वा
ह	■	व	ज्ञ	■	त	ल	ब

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में अचानक धन लाभ होगा. आत्म विश्वास में वृद्धि होगी. वर्ष के मध्य में राजनैतिक क्षेत्र में विवाद के कारण मन खिन्न रहेगा. साझेदारी से विवाद बढेगा. धन संकट का सामना करना पडेगा.वर्ष के अन्त में व्यक्तिगत संबंधों में सुधार होगा. मित्रों के सहयोग से लाभ होगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को धन संकट का सामना करना पडेगा. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को साझेदारी में विवाद बढेगा. कर्क राशि के व्यक्तियों को राजनैतिक क्षेत्र में खिन्नता रहेगीं. सिंह राशि के व्यक्तियों को सहयोग से व्यापार में वृद्धि होगी. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को सामान्य लाभ होगा. मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को धन लाभ का योग है. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को आत्म विश्वास में वृद्धि होगी.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक सुंदर, लगनशील, स्वस्थ्य एवं कोमल हृदय का होगा, मधुरभाषी होगा, इनके मित्रों की संख्या सीमित होगी, यात्रा एवं मनोरंजन में विशेष रूचि रहेगी. ये अपने कार्यों में किसी का हस्तक्षेप पसंद नहीं करेगा. माता पिता को जीवन में सुखी रखेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

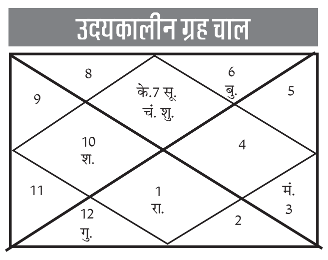

पंचांग

रा.मि. 20 संवत् 2083 आषाढ कृष्ण द्वादशी शनिवासरे रात 10/57, कृतिका नक्षत्रे दिन 8/19, गण्ड योगे रात 10/44, कौलव करणे सू.उ. 5/15, सू.अ. 6/45, चन्द्रचार वृषभ, पर्व- योगिनी एकादशी व्रत (वैष्णव), शु.रा. 2, 4, 5, 8, 9, 12 अ.रा. 3, 6, 7, 10, 11, 1 शुभांक-

व्यापार भविष्य

आषाढ कृष्ण द्वादशी को कृतिका नक्षत्र के प्रभाव से जीरा, धनियां में घटबढ के बाद नरमीं का रूख रहेगा, गेहूं, जौ, चना, जूट, पाट, बारदाना देशी घी, सरसों में मंदी की चाल चलेगी, वायदा विचार आज 1 बजकर 30 मिनिट के रूख पर व्यापार करना लाभप्रद रहेगा. भाग्यांक 5667 है.

मेष- अपनों की मदद से मन को खुशी होगी. वैभव के सामान पर खर्च होगा. आपके बने बनाये कार्य अचानक रूक सकते हैं. महिला पक्ष की सलाह लेना उपयोगी रहेगी.

वृषभ- मामूली बात विवाद का रूप ले सकती है, जिद्दी रवैया वृषभे बढ़ने में बाधक रहेगा. कार्यो में मनोंवाछित सफ्लता मिलेगी. रूका पैसा मिलेगा.

मिथुन- धार्मिक कार्यो में खर्च की संभावना, हालात में शांति बनाये रखें. मानसिक प्रसन्नता रहेगी. लाभ के अवसर प्राप्त होंगे. साहस पराक्रम बना रहेगा.

कर्क- आय के नये श्रोत बढेंगे. जरूरतमंदों की मदद करके खुशी होगी. सामाजिक प्रतिष्ठा एवं लाभदायक कार्य बनेंगे. मनोरंजन के अवसर मिलेंगे.

सिंह- लेनदेन के मामले में आपका पक्ष कमजोर पड़ सकता है. जमकर जायजाद के कार्यो में विलंब होगा. अनावश्यक विवादों से बचने का प्रयास करें.

कन्या- किसी के प्रति ज्यादा झुकाव परिवार में कलह का कारण बन सकता है. कार्यो में आशातीत सफ्लता मिलेगी. महत्वपूर्ण कार्य बनेंगे. दूर दराज की यात्रा होगी. मिथु

तुला- रोजगार को लेकर परेशानी होगी. भूमि भवन वाहन क्रय की संभावना है. परिश्रम की अधिकता रहेगी. साहस पराकम बना रहेगा. नियमितता बनी रहेगी.

वृश्चिक- भौतिक सुख साधन जुटाने में खर्च संभव है. अध्ययन में आ रही बाधा दूर होगी. धार्मिक कार्यो में रूचि रहेगी. पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी.

धनु- बच्चों की पढाई कैरियर को लेकर चिन्ता होसकती है. नौकरी में कार्यो की अधिकता रहेगी. व्यवसायिक क्षेत्र में यथेष्ठ सफ्लता मिलेगी.

मकर- दौड़ धूप करके काम करवा लेंगे. जिम्मेदारी से बचने के चक्कर में अधिकरियों की नाराजगी झेलना पड़ेगी. प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. परिश्रम की अधिकता रहेगी.

कुम्भ- कार्य योजना में बदलाव संभव है. चापलूसों से सावधानी रखें. अधिकारियों से अनुबंध का लाभ प्राप्त होगा. अनावश्यक विवादों को टालना हितकर रहेगा.

मीन- आप पूरे उत्साह से कार्य करेंगे, जो लोग पहिले विरोध कर रहे थे, वे सहयोग के लिये वृषभे आयेंगे. नवीन अनुबंधों का लाभ होगा.

SUDOKU 7447

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सु-दोकू 7446

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3